एपीजीएकेआईटी टनकपुर बना इसरो का दूसरा नोडल सेंटर

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

■ इससे पूर्व यूटीयू के कैम्पस महिला प्रौद्योगिकी संस्थान देहरादून को इसरो ने नोडल बनाया था सेंटर

■ दोनों नोडल केन्द्रों पर अप्रैल व मई में लाइव प्रशिक्षण कार्यक्रम होंगे, कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने जताया आभार

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने उत्तराखंड राज्य में वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के एक और कैम्पस डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी संस्थान टनकपुर को स्टार्ट-2024 प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए दूसरा नोडल सेंटर बनाया है। इससे पूर्व यूटीयू के कैम्पस महिला प्रौद्योगिकी संस्थान (डब्ल्यूआईटी) देहरादून को इसरो ने नोडल सेंटर बनाया। दोनों नोडल केन्द्रों पर अप्रैल व मई में लाइव प्रशिक्षण कार्यक्रम होंगे।

कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने राज्य में तकनीकी विश्वविद्यालय के दो कैम्पस संस्थानों को स्टार्ट-2024 प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए नोडल सेंटर बनाये जाने पर इसरो का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षा व अनुसंधान के क्षेत्र में अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने में विश्वविद्यालय के योगदान को इसरो द्वारा मान्यता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि दोनों केन्द्रों के लिए नामित नोडल समन्वयकों को जिम्मेदारियां दी जा चुकी है।

डब्ल्यूआईटी के निदेशक प्रो. मनोज कुमार पांडा एवं डा. एपीजीकेआईटी के निदेशक प्रो. हरद्वारी लाल मंडोरिया ने कहा कि इसरो द्वारा स्टार्ट-2024 के प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए नोडल सेंटर बनाया जाना कुलपति प्रो. ओंकार सिंह के निर्देशन व मार्गदर्शन का ही परिणाम है। इसरो द्वारा डा. एपीजीएकेआईटी टनकपुर के सहायक प्राध्यापक डा. देव प्रकाश सत्संगी व डब्ल्यूआईटी देहरादून में डा. आशीष बगवाड़ी को नोडल समन्वयक के रूप मे नामित किया गया है।